३ - एक महान बचाव

1

जिस दिन आप अमरता में कदम रखें

2

मरियम थक गई थी। उसके लिए वह सप्ताह बहुत व्यस्त था। उसका जीवन ऐसा हो गया था मानो लगातार कार्यों का चक्रवात हो। जब वह गोदाम से घर कार से आ रही थी तब उसने अपनी कार मुख्य सड़क के सकरे रास्ते पर मोड़ दी जो उसके घर की ओर जाती थी।

3

अचानक तारों के टूटने से, अंधेरा आसमान चमक उठा।

टूटते हुए तारों ने चमकीलेपन से आसमानों को प्रकाशित कर दिया।

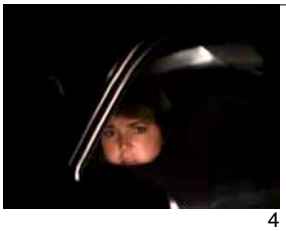
4

तारों के इस प्रकार के दिखाई देने की वह आदि नहीं थी, उसने उत्सुकतावश ऐक्सीलेटर दबा दिया उसने तुरन्त सोचा कि "इस संसार का अंत है! मसीह आ रहे है! मुझे केवल यही चाहिए कि मैं घर पहूँच जाऊं और अपने पुत्र के साथ रहूँ।"

बाद में इस अनुभव पर आलोचना करते हुए , मरियम ने कहा "जब मैंने आसमानो को इतना चमकता हुआ देखा, मैंने सोचा कि यीशु इसी क्षण आ रहे हैं।"

३ - एक महान बचाव

5

क्या आप ने कभी यह सोचा है कि इस संसार का किसी दिन अंत हो जाएगा?
यदि आपने यह सोचा है, तो सम्भवत: आपने यह सोचा होगा कि इसका अन्त कैसे होगा? क्या कुछ विशाल तारों का गिरना अन्त का चिन्ह होगा?

6

(दृश्य)
कुछ लोग यह सोचते हैं कि न्युक्लियर युद्ध से दुनिया का अन्त होगा -और मनुष्य प्राणी अपने आप को और पृथ्वी के समस्त जीवन का नाश कर देंगे।

7

दूसरे यह सोचते हैं कि दुनिया की जनसंख्या इतनी बढ़ जाएगी कि यह पृथ्वी इतने सारे लोगों को सहारा देने में असमर्थ होगी और बहुत से लोग भूखे रहेंगे।

8

तब भी दूसरे यह चिन्ता करते हैं कि हो सकता है कि किसी दिन एक तारा या पुच्छलतारा पृथ्वी से टकराकर इसे नष्ट कर देगा।

३ - एक महान बचाव

9

(दृश्य)

परन्तु क्या आप जानते हैं कि बहुत पहले, बाइबिल ने यह भविष्यवाणी की थी कि वास्तव में इस दुनिया का अन्त कैसे होगा?

और मित्रों, अच्छा समाचार यह है कि मनुष्य जाति का अन्त न युद्ध न भुखमरी न अंतरिक्ष में किसी वस्तु के टकराने से होगा।

10

इसके बदले बाइबिल यह कहती है कि दुनिया का अन्त यीशु मसीह के इस पृथ्वी पर विजयी होकर वापिस लौटने से होगा। वह इसी पृथ्वी पर वापिस आएगें जिसे वह लगभग २,००० साल पहले छोड़ गये थे। वह इस समय का अन्त करने और अनन्त जीवन से परिचय कराने के लिए आएगें।

11

यह बात बहुत दिलचस्प है जब हम यह खोज करते हैं कि लोग क्या सोचते हैं कि क्या होगा जब उनसे यह पूछा जाता है कि वे क्या सोचते हैं कि यीशु की वापसी कैसे होगी।

३ - एक महान बचाव

12

हाँ मित्रों, यीशु राजा जल्दी आ रहे हैं और इसमें कोई शक नहीं कि इस संसार की समस्याएँ मानवता की मदद से बाहर हैं केवल मसीह और उनके पिता ही मनुष्य और उसकी समस्याओं को हल करने में समर्थ है!

जब वह राजा वापिस आएगें तो कितनी आशीष होगी!

13

जब पौलुस प्रेरित अंधेरी गीली मैमरटाइन जेल में, एक कैदी था और अपनी मृत्यु की प्रतीक्षा कर रहा था, उसने लिखा कि वह .....

14

(मूलपाठ : तीतुस २ : १३)

"और उस धन्य आशा की अर्थात अपने महान परमेश्वर और उद्धारकर्त्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रगट होने की बाट जोहते रहें।"

तीतुस २ : १३

पौलुस ने यह प्रोत्साहन पत्र तीतुस को जो, "विश्वास में उसका सच्चा पुत्र" है, को परमेश्वर के महिमामय आगमन को स्मरण दिलाने के लिए लिखा।

३ - एक महान बचाव

15

यदि आप यह पाते हैं कि आप का जीवन निराशाजनक परिस्थितियों की अंधेरी रातों से घिरा है, तो आप ऊपर की ओर देखिए और स्मरण कीजिए उस "आशीष से भरी हुई आशा" को जो मसीह का इस पृथ्वी पर दूसरा आगमन है। यह सब कुछ ठीक कर देगा !

16

नये नियम में सबसे अधिक चर्चित घटना मसीह के दूसरे आगमन की है। लगभग प्रत्येक २५ पदों में से एक पद उस घटना से संबंधित है।

नये नियम में मसीह ने अधिकतम समय किसी दूसरे विषय से अधिक उस घटना के विषय में बात करने में बिताया है।

नये नियम में दो ऐसे पद हैं जिन्हे प्रत्येक बाइबिल विश्वासी व्यक्ति को जानना चाहिए।

17

(मूलपाठ : यूहन्ना ३ : १६)

सम्भवत यह पद तो अधिकतर लोग अच्छी तरह से जानते है "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया,

३ - एक महान बचाव

18

ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।"

दूसरा पद एक प्रतिज्ञा है जो यीशु ने अपने क्रूस पर चढ़ाए जाने और स्वर्ग जाने से पूर्व की थी:

19

(मूलपाठ : यूहन्ना १४ : १ -३)

"तुम्हारा मन व्याकुल न हो, तुम परमेश्वर पर विश्वास रखते हो, मुझ पर भी विश्वास रखो।

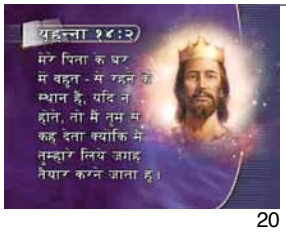

20

मेरे पिता के घर में बहुत -से रहने के स्थान हैं, यदि न होते, तो मैं तुम से कह देता क्योंकि मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूं।

21

और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूं, तो मैं फिर आऊँगा,

22

और तुम्हें अपने यहां ले जाऊँगा, कि जहां मैं रहूं वहां तुम भी रहो।"

यूहन्ना १४ : १ -३

23

सदियों से जब भी मसीह के मानने वालों को निराशा, कठिनाईयाँ या मृत्यु ने डराया है,

३ - एक महान बचाव

24

तो इस आशा के सितारे ने -उसकी वापसी की प्रतिज्ञा ने -उन्हें साहस और सहन करने की शक्ति दी है। यीशु के मानने वालों ने हमेशा इस प्रतिज्ञा के पूरे होने की उत्सुकता से प्रतिक्षा की है।

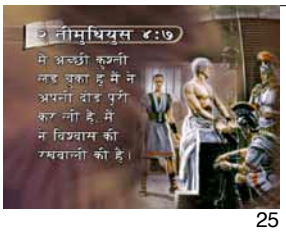

25

(मूलपद : २ तीमुथियुस ४ : ७, ८)
बाद में, जब जल्लाद कुछ ही दूरी पर खड़ा होता है पौलुस विजयी होकर घोषणा करता है;
"मै अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ मै ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है मैंने विश्वास की रखवाली की है।

26

भविष्य में मेरे लिये धर्म का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी, और न्यायी है,

27

मुझे उस दिन देगा और मुझे ही नहीं, वरन उन सब को जो भी उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं।"
२ तिमुथियुस ४ : ७,८

28

पौलुस उस निर्णायक दिन में मारने वाले की तलवार का सामना कर सकता है।
क्योंकि उसे मसीह के वापस आने की प्रतिज्ञा में विश्वास था!

३ - एक महान बचाव

29

जी हां, यीशु वापस आएगें!

और मित्रों, यीशु की प्रतिज्ञा जो उसने अपने चेलों से की थी हम सब के लिए है।

यीशु वापस आएगें!

30

जब चेलों ने पूछा कि उसके आने के और इस दुनिया के अन्त का क्या चिन्ह होगा, तो यीशु ने उन घटनाओं का विस्तारपूर्वक लेखा दिया जो उसके आने के पहले होंगी।

31

(मूलपाठ : मत्ती २४ : ४,५)

यीशु ने कहा, "----सावधान रहो कोई तुम्हें न भरमाने पाए।

32

क्योंकि बहुत से मेरे नाम से आकर, कहेंगे, कि मै मसीह हूं : और बहुतों को भरमाएंगे।"

मत्ती २४ : ४,५

पद २४ अध्याय में, यीशु ने इस विषय को स्पष्ट किया है।

33

(मूलपाठ : मत्ती २४ : २४)

"क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यवक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिन्ह, और अदभुत काम दिखाएंगे,

34

कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी भरमा दें।"

35

यदि हम अन्तर बताना नहीं जानते हैं किस प्रकार एक धोखादेने वाले को पहचाना जाए तो हम एक छली व्यक्ति के साथ जुड़ सकते हैं यह सोच कर कि वह मसीह है!

यीशु ने पहले से ही यह चेतावनी दी कि यह हो सकता है!

और वह कुछ मामूली धोखों के विषय में बात नहीं कर रहा था

36

प्रत्यक्ष रूप से वह अविश्वसनीय भेष बदले हुओं के विषय में बोल रहा था, जिनकी इतनी सावधानी से योजना बनाई गई और कार्यान्वित की गई कि लगभग सम्पूर्ण दुनिया को धोखा दिया जाए!

आप देखिए ये छली लोग अदभुत कार्य करेंगे बीमारों को चंगा करेंगे और अलौकिक नमूने देंगे ताकि वे अपने दावों को प्रमाणित कर सके!

३ - एक महान बचाव

37

हम मसीह के सच्चे आगमन को पहचानने में गलती नहीं करेंगे! कोई भी ऐसा नहीं करेगा परन्तु हम मसीह के भेष में धोखा देने वालों से प्रभावित हो सकते हैं। और मसीह के आगमन से पहले मूर्ख बन सकते हैं! इस बारे में सोचिए।

38

शैतान झूठे मसीह और झूठे भविष्यवक्ताओं का प्रयोग करके लोगों को दूसरे आगमन के बारे में भरमाने का प्रयत्न करेगा।

39

(मूलपाठ : २ कुरिन्थियों ११ : १३, १४)
"क्योंकि ऐसे लोग झूठे प्रेरित, और छल से काम करनेवाले, और मसीह के प्रेरितों का रूप धरने वाले हैं।

40

"और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं! क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिर्मय स्वर्गदूत का रूप धारण करता है।"
२ कुरिन्थियों ११ : १३, १४
यहाँ तक कि शैतान स्वयं को बदल लेगा और यीशु के दूसरे आगमन की नकल करेगा।

३ - एक महान बचाव

41

(दृश्य)

अक्सर कुछ लोग मसीह होने का दावा करते हैं। वे वैसे ही वस्त्र पहन सकते हैं जैसे लोग सोचते हैं कि मसीह ने पहने होंगे। वे नम्र और मधुर आवाज में बोलते हैं। वे बाईबिल में से बहुत से उदाहरण देते हैं। वे बहुत बुद्धिमान लगते हैं। उनमें से कुछ उन लोगों को अपने पीछे आने के लिए आकर्षित करते हैं जिनका मानना है कि मसीह पृथ्वी पर लौट आएँ हैं। परन्तु इनमें से एक भी मसीह नहीं है। हम यह पूर्ण सच्चाई के साथ कह सकते हैं। और क्यों? ऐसा इन्सान वैसा ही दिख सकता है जैसी आप आशा करते हैं कि यीशु भी ऐसे ही दिखते होगें। वह वैसा ही बोल सकता है जैसा आप आशा करते हैं कि यीशु भी ऐसे ही बोलते होगें।

42

वह लोगों को चंगा कर सकता है वह लोगों को अद्भुत चिन्ह दिखा सकता है और आश्चर्यजनक कार्य कर सकता है यहाँ तक कि बाईबिल की सच्चाईयों पर सन्देह हो सकता है। और परीक्षा इतनी बड़ी संख्या में हो सकती है कि बाईबिल क्या कहती है उस पर सन्देह किया जा सके। परन्तु हमें अपनी इन्द्रियों पर विश्वास नहीं करना है कि जो कुछ हम देखते, सुनते या अनुभव करते हैं वह सही हो!

३ - एक महान बचाव

43

केवल एक ही सुरक्षित मार्गदर्शक है जो यह निश्चित करती है कि कौन असली है –और कौन धोखेबाज - वह है बाइबिल।

44

आइए कुछ ऐसे चिन्हों और विशेषताओं को देखें जो मसीह के दूसरे आगमन को अद्वितीय बनाते हैं ताकि हम धोखा न खाएँ!

45

मसीह का दूसरा आगमन ऐसा होगा कि सब उसे आते हुए देखेंगे

46

(मूलपाठ : मत्ती २४ : २७)

"क्योंकि जैसे बिजली पूर्व से निकलकर पश्चिम तक चमकती है, वैसा ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा।"

मत्ती २४ : २७

वास्तव में प्रकाशितवाक्य १ : ७ में हम पढ़ते हैं,

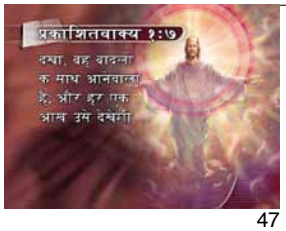

47

(मूलपाठ : प्रकाशितवाक्य १ : ७)

"देखो, वह बादलों के साथ आनेवाला है; और हर एक आंख उसे देखेगी.."

३ - एक महान बचाव

48

बनावटी लोग इधर -उधर दिखाई देंगे, परन्तु कोई भी धोखेबाज व्यक्ति आसमान के बादलों पर नहीं आ सकता कि हर आँख उसे देख सके।

49

जब यीशु ने इस पृथ्वी पर अपना कार्य समाप्त कर लिया, तब वह स्वर्ग में जाने के लिए लगभग तैयार थे।

50

वह अपने घनिष्ट अनुगामियों को जैतून के पहाड़ पर ले गया, और अपने शिष्यों को निर्देश देने के बाद, वह यकायक स्वर्ग में उठा लिया गया।

51

ध्यान दीजिए की बाइबिल इस घटना के बारे में क्या कहती है।

52

(मूलपाठ : प्रेरितों के काम १ : ९ -११)
"यह कहकर वह उनके देखते -देखते ऊपर उठा लिया गया, और बादल ने उसे उन की आखों से छिपा लिया।

53

और उस के जाते समय जब वे आकाश की ओर ताक रहे थे, तो देखो, दो पुरुष श्वेत वस्त्र पहिने हुए उन के पास आ खड़े हुए

३ - एक महान बचाव

54

और कहने लगे, 'हे गलीली पुरुषों', तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो?

55

यही यीशु, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा।"

प्रेरितों के काम १ : ९, ११

56

परमेश्वर की ओर से दो स्वर्गदूत -शिष्यों को यह आश्वासन देने आए थे कि यीशु ने जो प्रतिज्ञा उनसे की थी वह पूरी होगी।

यीशु ने साफ–साफ कहा था कि वे क्या देखेंगे:

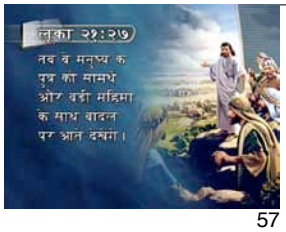

57

(मूलपाठ : लूका २१ : २७)

"तब वे मनुष्य के पुत्र को सामर्थ और बड़ी महिमा के साथ बादल पर आते देखेंगे।"

लूका २१ : २७

३ - एक महान बचाव

58

आपको किसी को भी यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि यीशु कब आएगें। आप उन्हें बादलों में आते हुए देखेंगे परन्तु कुछ ऐसे चिन्ह हैं जिनकी नकल शैतान नहीं कर सकता।

मसीह किसी दूर जगह में अचानक प्रगट नहीं होंगे और ना ही अंतरिक्ष विमान से उतरेंगे।

59

यीशु अकेले वापिस नहीं आ रहे हैं! यह घटना महिमायुक्त होगी!

60

(मूलपाठ : मत्ती २५ : ३१)

यीशु कहते हैं, "जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा, और सब स्वर्गदूत उसके साथ आएगें तो वह अपनी महिमा के सिंहासन पर विराजमान होगा।"

मत्ती २५ : ३१

61

(मूलपाठ : मत्ती २४ : ३१)

क्यों यीशु दूतों को अपने साथ ला रहे हैं?

वह उत्तर देते हैं :

"और वह तुरही के बड़े शब्द के साथ, अपने दूतों को भेजेगा,

३ - एक महान बचाव

62

और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक, चारों दिशा से उसके चुने हुओं को इकट्ठा करेंगे।"
मत्ती २४ : ३१

63

हाँ, यीशु समस्त पवित्र स्वर्गदूतों के साथ आएगा -आकाश अवर्णननीय महिमा से भर जाएगा। अब आप जान गए हैं कि क्यों ये लोग जो मसीह होने का दावा करते हैं संभवत: ऐसे नहीं हो सकते!
यीशु के वापिस आने की नकल का प्रयत्न करना उन के लिए असंभव होगा!
कोई नहीं कर सकता !
परन्तु यीशु के आने के साथ बहुत सी घटनाएँ संबंधित हैं!

64

यह एक सुनाई देने वाला आगमन होगा -और मृत धर्मी लोग जीवित हो जाएंगे।

65

(मूलपाठ : १ थिस्सलुनीकियों ४ : १६)
"क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा, उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा,

३ - एक महान बचाव

66

और परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी , और जो मसीह में मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे।"
१ थिस्सलुनीकियों ४ : १६

67

इस प्रकार आप देखते हैं कि मसीह का आगमन केवल दिखाई ही नहीं देगा, परन्तु सुनाई भी देगा।
परमेश्वर की पुकार और तुरही की आवाज इतनी मर्मभेदी होगी कि मसीह में जो मरे हैं वे जीवित हो जाएंगे और अपनी कब्रों में से बाहर आ जाएंगे।

68

क्या आप उस खुशी की कल्पना कर सकते हैं जब कब्रें खुल जाएंगी और परिवार के लोग फिर से मिल जाएंगे?

69

क्या आप देखते हैं कि शैतान के लिए मसीह के असली आगमन की नकल करना कितना असंभव होगा?

70

अब भी और शुभ सन्देश बाकी है!
ध्यान दीजिए की मसीह के दूसरे आगमन के समय जीवित धर्मी लोगों का क्या होगा :

३ - एक महान बचाव

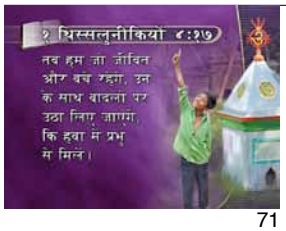

71

(मूलपाठ : १ थिस्सलुनीकियों ४ : १७)

"तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उन के साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे, कि हवा में प्रभु से मिलें।

72

और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।"

१ थिस्सलुनीकियों ४ : १७

73

(दृश्य)

यीशु के सच्चे अनुयायी मृतकों में से जी उठेंगे और प्रभु से हवा में मिलने के लिए उठा लिए जाएंगे।

और बहुत से परिवारों के फिर से मिलने की यह क्या ही खुशी की बात होगी।

74

पौलुस हमें और अधिक विस्तार पूर्वक बताता है कि यीशु के वापिस आने पर क्या होगा :

75

(मूलपाठ : १ कुरिन्थियों १५ : ५१ -५७)

"देखो, मैं तुम से भेद की बात कहता हूँ कि ---हम सब बदल जाएंगे,

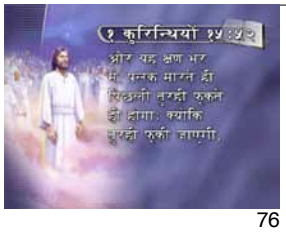

76

और यह क्षण भर में, पलक मारते ही पिछली तुरही फूंकते ही होगा : क्योंकि तुरही फूंकी जाएगी,

३ - एक महान बचाव

77

और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएंगे, और हम बदल जाएंगे।

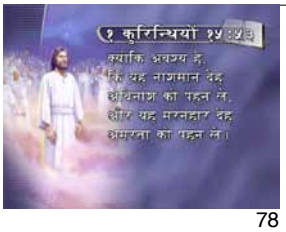

78

क्योंकि अवश्य है, कि यह नाशमान देह अविनाश को पहन ले, और यह मरनहार देह अमरता को पहन ले।"

१ कुरिन्थियों १५ : ५१ -५३

79

यीशु के प्रत्येक अनुयायी को परमेश्वर अपने प्रेम का दान देगें -अनन्त जीवन।

अनन्त जीवन के दान के बिना अन्य सभी दानो का कोई अर्थ नहीं है।

80

(मूलपाठ : फिलिप्पियों ३ : २०, २१)

इसके अतिरिक्त कुछ और भी है जिसे परमेश्वर अपने लोगों को देगा:

"------हम एक उद्धारकर्त्ता प्रभु यीशु मसीह की बाट जोह रहे हैं :

३ - एक महान बचाव

81

हमारी दीन -हीन देह का रूप बदल कर, अपनी महिमा की देह के अनुकूल बना देगा ---"
फिलिप्पियों ३ : २०, २१
एक शरीर मसीह की तरह। न कोई तकलीफ या दर्द या बीमारी। इससे अधिक आनन्द का समाचार और क्या होगा?

82

एक दूसरे वर्ग के लोग हैं। इन लोगों के लिए दूसरे आगमन का समाचार सुखद नहीं है। सुनिए, इतिहास के अंतिम समय की पृथ्वी हिलाने वाली घटनाओं का वर्णन बाईबिल किस प्रकार करती है।

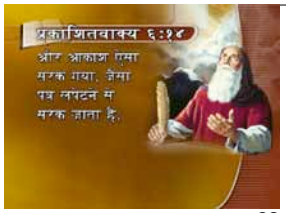

83

(मूलपाठ : प्रकाशितवाक्य ६ : १४ –१७)
"और आकाश ऐसा सरक गया, जैसा पत्र लपेटने से सरक जाता है;

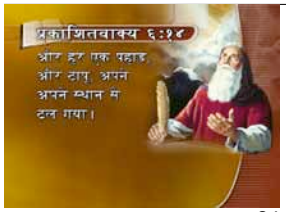

84

और हर एक पहाड़ और टापू अपने अपने स्थान से टल गया।

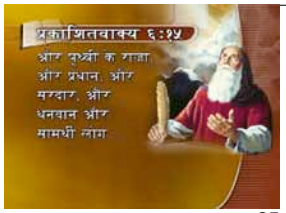

85

"और पृथ्वी के राजा, और प्रधान, और सरदार, और धनवान और सामर्थी लोगों ने--

३ - एक महान बचाव

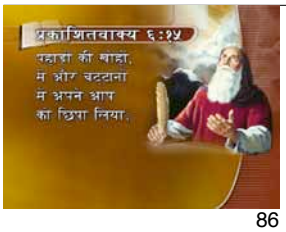

86

पहाड़ों की खोहों में और चट्टानों में अपने आप को छिपा लिया;

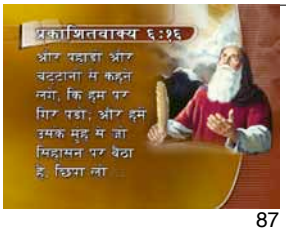

87

और पहाड़ों और चट्टानों से कहने लगे, कि हम पर गिर पडो; और हमें उसके मुंह से जो सिंहासन पर बैठा है, छिपा लो ------

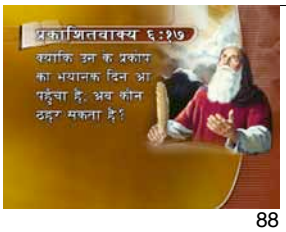

88

क्योंकि उन के प्रकोप का भयानक दिन आ पहुँचा है; अब कौन ठहर सकता है?"

प्रकाशित वाक्य ६ : १४ -१७

89

(मूलपाठ : प्रकाशितवाक्य १६ : १८)

"फिर बिजलियाँ, और शब्द, और गर्जन हुए, और एक ऐसा बड़ा भुईड़ोल हुआ,

90

कि जब से मनुष्य की उत्पत्ति पृथ्वी पर हुई, तब से ऐसा बड़ा भुईडोल कभी न हुआ था।"

प्रकाशितवाक्य १६ : १८

91

यह भुईड़ोल पृथ्वी के शहरों को गिरा देगा।

कोई भी व्यक्ति ऐसे भुईड़ोल से सम्भवत: बच नहीं सकता जो मसीह का आगमन कराएगा!

३ - एक महान बचाव

92

यीशु ने यह चेतावनी दी थी कि उसका आगमन ऐसे समय में ही होगा जब कोई भी उसकी आशा नहीं कर रहा होगा।

उन्होंने यह भी कहा था कि लोग अपने जीवन को मूर्खतापूर्ण आनन्दमय कार्यों में व्यर्थ व्यतीत करने में व्यस्त होंगे।

93

(मूलपाठ : मत्ती २४ : ३०)

मत्ती २४ : ३० में, हमसे कहा गया है कि जब यीशु वापस आएगें,

"----- पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे -----"

94

यही बात है जो यीशु ने कही थी कि उन लोगों का जो उस दिन के लिए तैयार नहीं हैं यह परिणाम होगा!

वे खो गए हैं और वे यह जानते है!

कितनी दु:खी तस्वीर है, जब कि यह बहुत अलग हो सकती थी।

मित्रों, वह दिन वास्तविक होगा!

उस दिन कोई भी जागकर नहीं कहेगा कि यह केवल एक स्वप्न था!

३ - एक महान बचाव

95

यीशु जब आएंगें तब उनसे मिलने के लिए तैयार रहने के अतिरिक्त पृथ्वी पर इससे अधिक महत्वपूर्ण बात और कोई नहीं है। ये पृथ्वी के खजाने जिन्हें हम इतना अधिक बहुमूल्य मानते हैं कितने कमजोर हैं! एक भुईड़ोल और सब कुछ समाप्त हो जाएगा!

96

(मूलपाठ : लूका २१ : ३६)

"इसलिये जागते रहो और हर समय प्रार्थना करते रहो कि तुम इन सब आनेवाली घटनाओं से बचने,

97

और मनुष्य के पुत्र के साम्हने खड़े होने के योग्य बनो।"

लूका २१ : ३६

98

आईये जब हम बाईबिल का अध्ययन एक साथ कर रहे थे तो हमने अब तक बाईबिल से क्या सीखा है, उसे दोहराएँ :

99

झूठे भविष्यवक्ता और झूठे मसीह प्रत्येक को भरमाने का प्रयत्न करेंगे।

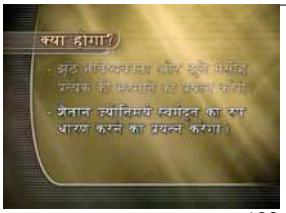

100

शैतान ज्योतिमर्य स्वर्गदूत की तरह दिखाई देगा।

३ - एक महान बचाव

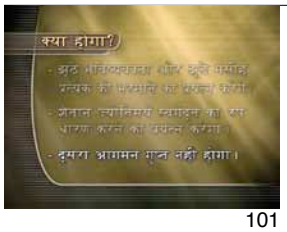

101

दूसरा आगमन गुप्त नहीं होगा।

102

हर एक आँख यीशु के आगमन को देखेगी।

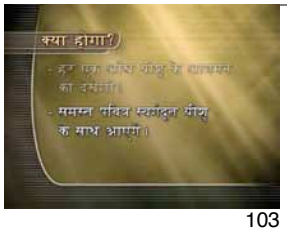

103

समस्त पवित्र स्वर्गदूत यीशु के साथ आएंगें।

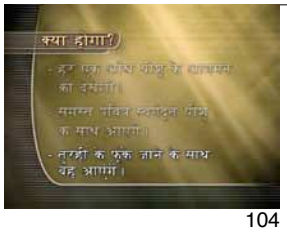

104

तुरही के फूंके जाने के साथ यीशु आएंगे।

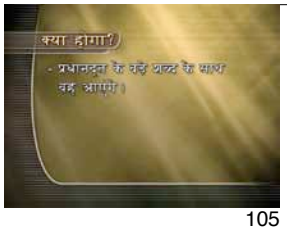

105

प्रधानदूत के बड़े शब्द के साथ वह आएंगे।

106

मृतक धर्मी जी उठेंगे।

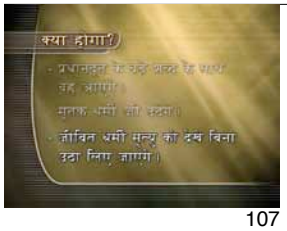

107

जीवित धर्मी मृत्यु को देखे बिना उठा लिए जाएंगे।

108

समस्त धर्मियों को अमरता प्रदान की जाएगी।

३ - एक महान बचाव

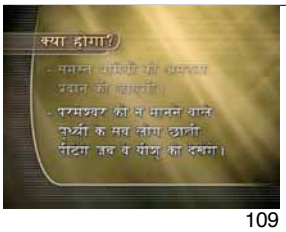

109

परमेश्वर को न मानने वाले पृथ्वी के सब लोग छाती पीटेंगे जब वे यीशु को देखेंगे।

110

एक बहुत बड़ा भुईड़ोल पृथ्वी को नष्ट कर देगा।

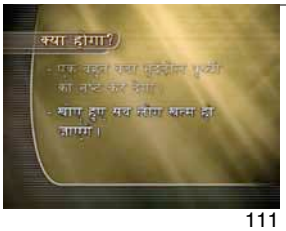

111

खोए हुए सब लोग खत्म हो जाएंगें।

112

मसीह के प्रताप और महिमा के साथ दूसरे आगमन का आधा वर्णन भी नहीं किया जा सकता। न तो मानव प्राणी की कलम उसका चित्र बना सकती है, न ही मानवीय मस्तिष्क कल्पना कर सकता है! परन्तु हम आप के साथ इस भव्य दृश्य को बांटना चाहेंगे कि किस प्रकार लेखकों और चित्रकारों ने यीशु के आगमन को दर्शाने का प्रयत्न किया है। वह किस प्रकार का होगा और किस प्रकार उनके मस्तिष्क उनका चित्रण करते हैं जैसा कि बाइबिल में वर्णन किया गया है।

३ - एक महान बचाव

113

"उस समय जब कोई भी उसकी आशा नहीं कर रहा होगा, यीशु वापस आएगें।
परमेश्वर की आवाज, गर्जन के समान, पूरी पृथ्वी पर गूंजेगी और अपने बेटे के आगमन के समय और दिन की घोषणा कर रही होगी।

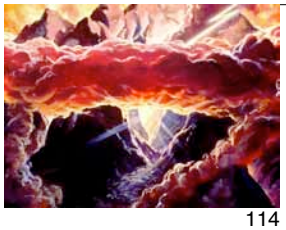
114

"आसमान एक कागज की तरह लपेटा जाएगा, पृथ्वी उसके समक्ष कांपेगी, और प्रत्येक पहाड़ और टापू अपनी जगह से हिल जाएगें।

115

"जल्द ही पूर्व दिशा में एक छोटा काला बादल दिखाई दिया, जो माप में मनुष्य के हाथ से आधा था।

116

जैसे -जैसे वह बादल पृथ्वी के समीप आया वह उज्जवल और उज्जवल बनता गया और वह और भी प्रतापी हो गया जब तक वह एक विशाल बादल नहीं बन गया जिसके ऊपर इन्द्रधनुष था। शान्ति से परमेश्वर के लोग उस दृश्य को टकटकी लगाकर देख रहे थे, और वे एकदम चुप हो गए थे। यह दृश्य दिल दहला देने वाला था!

३ - एक महान बचाव

117

आसमान चमकदार आकृतियों से भर गया था। अनगिनत स्वर्गदूतों ने यीशु के सिंहासन को घेरा हुआ था!

118

"उसके तेज ने स्वर्ग को ढक दिया था और जैसे वे पृथ्वी के समीप आते गए, हर एक आँख ने उस राजा को आते हुए देखा!

उस पवित्र सिर पर काँटों का ताज नहीं पर ईश्वरीय महिमा का ताज था। उसकी पोशाक और उसकी जांघ पर उसका नाम लिखा था, राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।

119

"और पृथ्वी के राजा, और ऊँचे लोग, और धनवान आदमी, और शक्तिशाली आदमी, और प्रत्येक कैदी, और प्रत्येक स्वतंत्र आदमियों ने, पत्थरों और पहाड़ियों से चिल्लाकर कहा कि वे उनके ऊपर गिर जाएं और उस मेम्ने की उपस्थिति से उन्हें छिपा लें।

३ - एक महान बचाव

120

"उन लोगों ने जिन्होंने परमेश्वर के लोगों पर अत्याचार किया था और उनका कत्ल किया था और जिन लोगों ने मसीह को ठटठों में उड़ाया था और इन्कार किया था कि वह परमेशवर का पुत्र नहीं है, जिन लोगों ने चिल्लाकर कहा था,' उसे क्रूस पर चढ़ाओ!

उन लोगों को जिलाया गया कि वे यीशु के समक्ष खड़े हों। उनके हृदय पिघल गए, उनके घुटने आपस में टकराने लगे, और भयंकर निराशाजनक विलाप के साथ उन्होंने कहा,

121

वह परमेश्वर का पुत्र है। वह सच्चा मसीह है।

122

अब, वे उसे उसकी सम्पूर्ण महिमा में देख रहे थे, और उन्हें उसको शक्ति के दाहिने हाथ बैठे देखना अभी शेष था।

123

जिन्होंने उसके परमेश्वर के पुत्र होने के दावे की हँसी उड़ायी थी, वे वाकहीन है। वहाँ वह घमण्डी हेरोदेस है जिसने उनके शाही नाम का ठट्ठा किया था और उन उपहास करने वाले सैनिकों को यीशु को राजा का ताज पहनाने के लिए आदेश दिया था।

३ - एक महान बचाव

124

वहाँ वे आदमी भी थे जिन्होंने अपने पापी हाथों से उसे बैंगनी पोशाक पहनाई थी, और उसके पवित्र माथे पर काटों का ताज पहनाया था, और उसके हाथ में नकली राजदण्ड देकर उसे ठट्ठे में झुककर प्रणाम किया था।

125

"वे पुरुष जिन्होंने उस जीवन के राजकुमार को थप्पड़ मारे और उन पर थूका था वे अब उनके चुभने वाले तेज से मुड़े और उसकी उपस्थिति के शक्तिशाली प्रताप से भागने के लिए जगह ढूंढ़ने लगे।

126

वे सब जिन्होंने उनके हाथों और पावों को कीलों से ठोका था, वह सैनिक जिसने उनकी छाती को भेदा था, उन्होंने इन चिन्हों को भय और पश्चात्ताप से देखा। याजकों और शासकों ने स्पष्ट रूप से कलवरी की घटनाओं को पुनः याद किया। उन्होंने भय से कांपते हुए डर के साथ याद किया कि किस प्रकार वे शैतानी सफलता में प्रसन्न होकर अपने सिरों को हिलाते हुए जोर से बोल रहे थे : 'उसने दूसरों को बचाया अपने आप को नहीं बचा सकता।'

३ - एक महान बचाव

127

यदि वह इस्राएलियों का राजा है, तो वह अभी क्रूस से उतर आए, और हम उस पर विश्वास करेंगे। वह परमेश्वर पर विश्वास करता था, अब उसका परमेश्वर उसे बचा ले।"

128

"वे जिन्होंने मसीह और उसके विश्वासी लोगों को मारा होगा अब उस महिमा को देखते हैं जो अब उनके ऊपर ठहरी हुई है। वे भय के बीच सन्तों की आवाजों को सुनते हैं जो आनन्द के साथ जोर से कह रहे हैं;

129

(मूलपाठ : यशायाह २५ : ९)

"----देखो, हमारा परमेश्वर यही है; हम इसी की बाट जोहते आए हैं, कि वह हमारा उद्धार करे-----"

130

(दृश्य)

"पृथ्वी के लपेटने, बिजली के चमकने, और बादल के गरजने के बीच, परमेश्वर के पुत्र की आवाज सोए हुए संतो को पुकारती है। वह धर्मियों की कब्रों के ऊपर देखता है, फिर अपने हाथों को स्वर्ग की ओर उठाते हुए वह चिल्लाता है जागो, जागो, जागो, और तुम जो मिट्टी में सोए हुए हो उठो!

३ - एक महान बचाव

131

सम्पूर्ण पृथ्वी के चारों ओर मरे हुए उसकी आवाज सुनेंगे, और जो उसे सुनेंगे जीवित हो जाएंगे। और समस्त पृथ्वी प्रत्येक राष्ट्र, परिवार, भाषा और लोगों की बहुत बड़ी सेना के चलने की आवाज से गूंजने लगेगी।

132

"वे मृत्यु के जेल रूपी घर से, अमर महिमा का वस्त्र पहन कर आते हैं और चिल्लाकर कहते हैं, 'ओ मृत्यु तेरा डंक कहाँ गया?
ओ कब्र तेरी विजय कहाँ गयी?
और जीवित धर्मी और जिलाए गए संत अपनी आवाजों को एक लम्बी आनन्द की चीख के साथ जीत के लिए मिलते हैं।
समस्त दोष और कुरुपता कब्र में छूट गई है। ओह, आश्चर्यजनक मुक्ति जिसकी बहुत चर्चा हुई, बहुत आशा की गई, उत्सुक आशा के साथ विचार किया गया परन्तु कभी भी पूरी तरह समझी न गई।

133

"जीवित धर्मी एक क्षण में, 'पलक झपकते ही' बदल जाएंगे परमेश्वर की आवाज से वे महिमायुक्त हो गए; अब उन्हें अमर बना दिया गया और जिलाए गए संतों के साथ प्रभु को हवा में मिलने के लिए उन्हें उठा लिया गया।

३ - एक महान बचाव

134

स्वर्गदूत उन लोगों को जिन्हें उसने चारों दिशाओं से चुना, स्वर्ग के एक छोर से दूसरे छोर तक एकत्रित करते हैं।

छोटे बच्चे पवित्र स्वर्गदूतों के द्वारा उठा कर उनकी माताओं की बाहों में दे दिए गए।

135

मित्र जो मृत्यु के कारण बहुत देर तक बिछड़ गए थे वे कभी अलग न होने के लिए एक हो गए, और आनन्द के गीतों के साथ परमेश्वर के नगर में एक साथ ऊपर उठने लगे।

136

"और जैसे जैसे वे स्वर्ग की ओर ऊपर उठने लगे वैसे -वैसे स्वर्गदूतों का समूह चिल्लाया,'पवित्र, पवित्र, पवित्र, सर्व शक्तिमान प्रभु परमेश्वर।

और मुक्ति पाई हुई आवाज आई हेलीलुइय्या जैसे वे पवित्र नगर की ओर बढ़ने लगे।

३ - एक महान बचाव

137

'पवित्र नगर में प्रवेश करने से पहले उद्धारकर्त्ता ने अपने अनुयायियों को विजय के चिन्ह दिए और उनके शाही राज्य के सम्मान के पट्टे उन को दिए। मुक्ति से युक्त अनगिनत स्वर्गदूतों का दल चारों ओर है, किन्तु प्रत्येक आँख उसी पर टिकी हुई है, हर एक आँख उसकी महिमा और उसका स्वरूप जो मनुष्य के पुत्रों से भी अधिक था उसे देखती है।

138

"विजयी लोगों के सिरों के ऊपर, यीशु अपने दाहिने हाथ से महिमा का ताज पहनाते हैं।
प्रत्येक के लिए एक ताज है जिस पर उनका 'नया नाम और यह सूचना पत्र है 'प्रभु के लिए पवित्रता'।
प्रत्येक के हृदय अवर्णनीय खुशी से भर गए, और
प्रत्येक आवाज महान प्रशंसा में ऊपर उठी।

३ - एक महान बचाव

139

"कैद से मुक्त भीड़ के समक्ष, वह पवित्र नगर है। यीशु मोती के द्वारों को पूरा खोलता है और वे जातियाँ जिन्होंने नियमों का पालन किया था और यीशु में धीरज रखा था अन्दर प्रवेश करती हैं।

वहाँ उन्होंने परमेश्वर का स्वर्ग देखा, जो आदम के पाप करने से पहले उसका घर था। "तब वह आवाज जो किसी भी संगीत से तेज थी जो कि अमर कानों में कभी पड़ी थी, सुनी गई वह यह कह रही थी आप की लड़ाई समाप्त हुई।"

140

(मूलपाठ : मत्ती २५ : ३४)

"हे मेरे पिता के धन्य लोगों, आओ, उस राज्य के अधिकारी हो जाओ, जो जगत के आदि से तुम्हारे लिये तैयार किया हुआ है।"

मत्ती २५ : ३४

३ - एक महान बचाव

141

यह हमारी आशा है। यह हमारा भाग्य है, यह हमारा भविष्य है।

हम मसीह के साथ स्वर्ग में हमेशा के लिए रह सकते हैं। यदि हम अनन्तता को खो देते हैं, तो हमने सब कुछ खो दिया।

यदि हमने स्वर्ग को खो दिया, तो हम ने सब कुछ खो दिया।

यदि हम मसीह के शीघ्र लौटने के लिए तैयार नहीं है तो हम इतिहास के युगों में पाई जाने वाली सबसे अधिक महान घटना को खो देंगे।

यीशु कहते है आओ---- क्षमा पाने के लिए आओ, दया पाने के लिए आओ। अपने पापों पर शक्ति प्राप्त करने के लिए आओ। अनन्तता को प्राप्त करने के लिए आओ। आओ मेरे राज्य में प्रवेश करो।

क्या आप इसी समय उसकी प्रार्थना को स्वीकार करने के लिए हाँ कहेंगे?

यदि आप उसके राज्य में हमेशा के लिए रहने के लिए इच्छुक हैं तो जैसे हम प्रार्थना करते हैं आप उसी वक्त खड़े हो जाइए।